इंदौर को मिलेगी 'ग्रीन ढाल' देवगुराड़िया में बनेगा नगर वन पार्ट-2

- 2 करोड़ की लागत से 50 हेक्टेयर में विकसित होगा नया अर्बन फॉरेस्ट
- दो साल में 4 और नगर वन बनाने की भी तैयारी शुरु

नव भारत न्यूज

इंदौर. तेजी से कांक्रीट के जंगल में बदल रहे इंदौर शहर में हरियाली बढ़ाने की बड़ी योजना पर काम शुरू हो गया है. देवगुराड़िया क्षेत्र में पहले से विकसित हो रहे नगर वन के साथ अब उसका पार्ट-2 भी बनाया जाएगा. करीब 2 करोड़ रुपए की लागत से 50 हेक्टेयर जमीन पर नया अर्बन फॉरेस्ट तैयार होगा. इसके साथ ही अगले दो साल में शहर और आसपास चार नए नगर वन विकसित करने की योजना भी बनाई गई है, जिससे इंदौर को 'ग्रीन कवर' बढ़ाने में मदद मिलेगी.

एसडीओ अमित सोलंकी ने बताया कि शहर की बिगड़ती आबोहवा और तेजी से घटती हरियाली के बीच वन विभाग ने इंदौर को और हराभरा बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है. इसके तहत देवगुराड़िया क्षेत्र में पहले से विकसित हो रहे नगर वन के साथ अब अतिरिक्त 50 हेक्टेयर जमीन पर एक और नगर वन तैयार करने की योजना बनाई है. इस प्रोजेक्ट पर करीब दो करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे. इंदौर वन मंडल की रेंजर संगीता ठाकुर ने बताया कि सांसद शंकर लालवानी के सहयोग से नगर वनों के प्रस्ताव तैयार कर केंद्र को भेजे जा चुके हैं. यदि मंजूरी मिलती है तो करीब आठ करोड़ रुपए की लागत से अगले दो वर्षों में चार नए नगर वन विकसित किए जाएंगे.

उन्होंने बताया कि देवगुराड़िया में पहले चरण में नगर वन विकसित किया जा रहा है, जिसका काम अंतिम चरण में है. इसी क्षेत्र में अब उसका दूसरा चरण यानी नगर वन पार्ट-2 विकसित करने की तैयारी शुरू कर दी गई है. इसका उद्देश्य शहर के पर्यावरण संतुलन को मजबूत करना और नागरिकों को प्राकृतिक वातावरण उपलब्ध कराना है. पिछले कुछ वर्षों में शहर में तेजी से पेड़ों की कटाई और शहरी विस्तार के कारण हरियाली कम होती जा रही है. ऐसे में केंद्र सरकार की योजना के तहत नगर वन विकसित कर शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है. इसी योजना के तहत इंदौर को भी पिछले वर्षों में आईआईटी सिमरोल और देवगुराड़िया में करीब 50-50 हेक्टेयर क्षेत्र में दो नगर वन की सौगात मिली है, जिनका निर्माण कार्य लगभग पूरा होने की स्थिति में है.

वर्ष 2028 तक विकसित होंगे नए नगर वन

अधिकारियों का कहना है कि वर्ष 2026 से 2028 के बीच शहर और आसपास चार और नए नगर वन विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया है. इन परियोजनाओं को केंद्र सरकार की निधि से पूरा किया जाएगा. प्रस्तावित स्थानों में देवगुराड़िया के अलावा पुलिस फायरिंग रेंज दतौनी, मोरोद सहित अन्य क्षेत्र शामिल हैं. इन परियोजनाओं के पूरा होने से शहर के आसपास हरित क्षेत्र बढ़ेगा, जैव विविधता को संरक्षण मिलेगा और नागरिकों को प्राकृतिक वातावरण के बीच समय बिताने के लिए नए स्थल भी उपलब्ध होंगे.

यातायात सुधार : सड़कों पर उतरीं ट्रैफिक पुलिस की 12 विशेष टीमें

- भीड़भाड़ वाले इलाकों में की जा रही है पेट्रोलिंग
- अवैध और नो पार्किंग पर व्हील लॉक और क्रेन से कार्रवाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या से निपटने के लिए यातायात पुलिस ने नई व्यवस्था लागू की है. जिसके चलते अब शहर के चारों जोन में 12 विशेष पेट्रोलिंग और व्हील लॉक टीमें लगातार सड़कों पर निगरानी रखेंगी. इन टीमों का मुख्य फोकस व्यस्त बाजारों और प्रमुख मार्गों पर अवैध पार्किंग हटाकर यातायात को सुगम बनाना रहेगा.

शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक सुचारू और व्यवस्थित बनाने के लिए पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है. इसके तहत चार विशेष पेट्रोलिंग टीमों के साथ आठ बैकअप व्हील लॉक टीमें गठित की गई हैं, जो शहर के अलग-अलग जोन में लगातार निगरानी और कार्रवाई करेंगी. शनिवार को पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी ने यातायात प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों की बैठक लेकर पेट्रोलिंग और व्हील लॉक टीमों के कार्यों की समीक्षा की. बैठक में अतिरिक्त डीसीपी, एसीपी और विभिन्न यातायात थानों के प्रभारी मौजूद थे.

दी जा रही नियमों के पालन की समझाइश -यातायात पुलिस पहले वाहन चालकों को समझाइश देकर नियमों का पालन करने के लिए कह रही है. इसके बावजूद नियमों का उल्लंघन करने पर वाहनों में व्हील लॉक लगाने या क्रेन से हटाने की कार्रवाई की जा रही है. साथ ही पीए सिस्टम के माध्यम से नागरिकों से निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील भी की जा रही है.

चारों जोन में दो-दो पेट्रोलिंग/व्हील लॉक टीमें बनाईं

नई व्यवस्था के तहत शहर के चारों जोन में दो-दो पेट्रोलिंग/व्हील लॉक टीमें तैनात की गई हैं. प्रत्येक टीम में चार-चार पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहेंगे, जो अपने निर्धारित क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर यातायात दबाव, अव्यवस्थित पार्किंग और नियम उल्लंघन की स्थिति पर नजर रखेंगे. पेट्रोलिंग के दौरान टीमें मुख्य मार्गों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पीए सिस्टम, बॉडी वॉर्न कैमरा, क्रेन, सपोर्ट वाहन, व्हील लॉक और पीओएस मशीन की मदद से कार्रवाई करेंगी. सड़क किनारे या फुटपाथ पर वाहन खड़ा कर यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाएगी.

मजदूर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

- बीमारी और शराब की लत से था परेशान

इंदौर. आजाद नगर थाना क्षेत्र के मूसाखेड़ी इलाके में एक मजदूर युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है. युवक लंबे समय से बीमारी और शराब की लत से परेशान था.

थाना प्रभारी लोकेश भदौरिया ने बताया कि मूसाखेड़ी में रहने वाले 35 वर्षीय मोहन, पिता भेरू सिंह ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी. परिजनों की नजर उस पर पड़ते ही उन्होंने तुरंत उसे फंदे से नीचे उतारा और अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी. सूचना मिलने पर आजाद नगर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

बीमारी से परेशान युवक ने एसिड पीकर की आत्महत्या

इंदौर. राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में बीमारी से परेशान एक युवक द्वारा एसिड पीकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है. उपचार के दौरान एमवाय अस्पताल में उसकी मौत हो गई. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच कर रही है.

थाना प्रभारी नीरज बिरथरे ने बताया कि घटना राजरानी नगर इलाके की है, यहां रहने वाले 35 वर्षीय पंकज, पिता भेरूसिंह ने घर में रखा एसिड पी लिया था. एसिड पीने के बाद उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई. हालत गंभीर होने पर परिजन उसे तत्काल एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे. डॉक्टरों ने युवक को बचाने का प्रयास किया, लेकिन शरीर में जहर फैल जाने के कारण उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. परिजनों ने पुलिस को बताया कि पंकज इलेक्ट्रिशियन का काम कर परिवार का भरण-पोषण करता था. वह लंबे समय से एक गंभीर बीमारी से पीड़ित था, जिसके कारण मानसिक रूप से भी काफी तनाव में रहने लगा था. आशंका जताई जा रही है कि इसी शारीरिक और मानसिक परेशानी से तंग आकर उसने यह कदम उठाया. पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है.

एक नजर में

देपालपुर में ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस सम्मेलन आयोजित

देपालपुर. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की अध्यक्षता में ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस का सम्मेलन आयोजित किया गया. कार्यक्रम में पंच, सरपंच, जिला पंचायत सदस्य, ब्लॉक अध्यक्ष तथा संगठन के पूर्व पदाधिकारी शामिल हुए. इस अवसर पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के साथ ही कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल, पूर्व जनपद अध्यक्ष मनोज गौतम, इंदौर ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े, राधेश्याम पटेल तथा क्षेत्र के कई वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे. इस अवसर पर बेटमा नगर अध्यक्ष एवं समिति द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया.

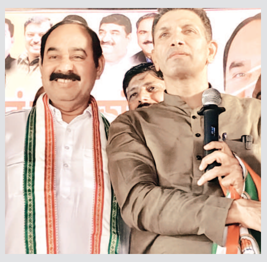

कार्यक्रम में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, दुग्ध संघ पूर्व अध्यक्ष उमा नारायण पटेल एवं सत्यनारायण पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस को मजबूत बनाना है, संगठित होकर हम सब काम करें, जो जवाबदारी पार्टी ने सौंपी है, उसे ईमानदारी से निभाएं. उन्होंने कहा कि कांग्रेस अंतिम आदमी तक पहुंचना चाहती है. कांग्रेस पन्ना प्रमुख भी बनाने जा रही है, समिति बनाएगी तथा 20-20 घरों के परिवारों को भी जोड़ना चाहेगी. समितियां बनेंगी, पदाधिकारी भी बनाए जाएंगे. लगातार संगठन की मजबूती की ओर ध्यान दिया जाएगा, ऐसे में एकजुटता बहुत जरूरी है. सभी का चयन स्थानीय कार्यकर्ता एवं कमेटी द्वारा किया जाएगा, पैराशूट की तरह कोई भी नहीं उतर जाएगा.

गैस सिलेंडर के लिए एजेंसी पर लग रही भीड़, उपभोक्ता परेशान

महू. शहर में घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत से उपभोक्ता परेशान हैं. उपभोक्ताओं को गैस बुक कराने के 8 दिन बाद भी सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे उनके रोजमर्रा के कामकाज प्रभावित हो रहे हैं. शनिवार को बड़ी संख्या में उपभोक्ता गैस एजेंसी कार्यालय पहुंचे. कार्यालय के बाहर लोगों की भीड़ लग गई. उपभोक्ताओं का कहना है कि बार-बार एजेंसी से संपर्क करने पर भी उन्हें केवल इंतजार करने को कहा जा रहा है. कई घरों में गैस खत्म हो चुकी है, जिसके कारण खाना बनाने में भी समस्या आ रही है. उपभोक्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही गैस सिलेंडर की आपूर्ति सुचारू नहीं की गई, तो उन्हें और अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा. उन्होंने गैस एजेंसी और संबंधित विभाग से तत्काल सिलेंडर की आपूर्ति बहाल करने की मांग की है, ताकि आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके.

अग्रसेन चौराहे पर पतझड़ के पत्तों से फैली गंदगी

महू. शहर में गर्मी का मौसम शुरू होते ही कई स्थानों पर गंदगी की स्थिति सामने आने लगी है. महू के मुख्य अग्रसेन चौराहे पर इन दिनों पतझड़ के पत्तों का ढेर लगा हुआ है, जिसे उठाने वाला कोई नजर नहीं आ रहा है. बताया जा रहा है कि शहर में सफाई व्यवस्था के नाम पर बड़े-बड़े ठेके दिए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति इसके विपरीत दिखाई दे रही है. कई बार शहर में निकलने वाली धार्मिक और सामाजिक यात्राओं के दौरान पुष्प वर्षा से सड़कों पर फैला कचरा तो पीछे-पीछे उठाया जाता है, लेकिन शहर के अन्य स्थानों पर फैली गंदगी पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है. अग्रसेन चौराहे के आसपास के

दुकानदारों ने बताया कि सुबह से शाम तक यहां पतझड़ के पत्तों की गंदगी बनी रहती है. वहीं सामने स्थित दुकानों के मालवा परिसर जो नाली बनी हुई है, उसकी भी नियमित सफाई नहीं हो रही है. दुकानदारों का कहना है कि सफाई नहीं होने के कारण दिनभर मच्छरों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे व्यापारियों के साथ-साथ वहां आने वाले ग्राहकों को भी परेशानी हो रही है.

घर में काम करने आई युवती ने ही उड़ाए थे जेवर

- आरोपी को गिरफ्तार कर ढाई लाख के आभूषण किए बरामद

नव भारत न्यूज

इंदौर. परदेशीपुरा क्षेत्र में घर में काम करने आई युवती द्वारा सोने के जेवर चोरी करने का मामला सामने आया है. पुलिस ने वारदात का खुलासा करते हुए आरोपी युवती को गिरफ्तार कर उससे करीब ढाई लाख रुपए कीमत के सोने के आभूषण बरामद किए हैं. पूछताछ में सामने आया कि आरोपी के भाई की शादी होने वाली थी और पैसों की जरूरत के चलते उसने चोरी की वारदात को अंजाम दिया.

अतिरिक्त डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि परदेशीपुरा थाना क्षेत्र के नंदा नगर में दीपक पंचोली के घर से सोने के आभूषण चोरी होने

की घटना का पुलिस ने तुरंत खुलासा कर दिया. मामले में घर पर काम करने आई युवती को ही आरोपी पाया और उसे गिरफ्तार कर लिया. मामला इस प्रकार हैं कि नंदा नगर में रहने वाले दीपक पंचोली ने दो दिन पहले शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके घर से दो सोने के मंगलसूत्र पेंडल, एक मांग टीका, एक सोने की चैन, छह मोती और कान की बालियां चोरी हो गई हैं. फरियादी ने शक जताया था कि घर में काम करने आई युवती ममता कुशवाह ने मौका पाकर घर के ऊपरी हिस्से से जेवर चुरा लिए. शिकायत के आधार पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी आरडी कानवा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी, टीम ने भागीरथपुरा और आसपास के क्षेत्रों में करीब आठ घंटे तक लगातार सर्च अभियान चलाया और आरोपी युवती को चिन्हित कर पकड़ लिया.

पूछताछ में उसने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली. आरोपी के पास से चोरी किए गए सोने के दो मंगलसूत्र पेंडल, एक मांग टीका, एक चैन, छह मोती और सोने की बालियां बरामद की हैं, जिनकी कीमत करीब ढाई लाख रुपए बताई जा रही है. जांच में सामने आया कि आरोपी ममता कुशवाह उम्र 18 साल निवासी भागीरथपुरा के भाई की शादी होने वाली है और पैसों की जरूरत के चलते उसने घर में काम करने के दौरान जेवर देखकर चोरी की योजना बना ली. आरोपी युवती को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है.

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

इंदौर. बड़गोंदा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई. गंभीर रूप से घायल युवक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया. पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान 22 वर्षीय रोहित, पिता बद्री निवासी बड़वानी के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि रोहित शक्ति कोल्ड स्टोर के पास से गुजर रहा था, तभी तेज गति से आए अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि वह सड़क पर ही गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा.

राहगीरों की मदद से उसे तत्काल उपचार के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. घटना के बाद बड़गोंदा पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है. वहीं पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर टक्कर मारकर फरार हुए वाहन और चालक की तलाश में जुटी है.

तीसरी मंजिल से गिरे युवक ने दम तोड़ा

इंदौर. रावजी बाजार थाना क्षेत्र में मकान की तीसरी मंजिल से गिरने के कारण एक युवक की मौत हो गई. थाना प्रभारी उमेश यादव ने बताया कि मृतक की पहचान 26 वर्षीय आकाश, पिता लक्ष्मीकांत साहू निवासी गाड़ी अड्डा के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि आकाश अपने घर की तीसरी मंजिल पर मौजूद था. इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया, गिरने से उसे गंभीर चोटें आईं. परिजन और आसपास के लोग उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया.

मोबाइल टावर से बीटीएस बेसबैंड कार्ड चोरी, नेटवर्क हुआ ठप

इंदौर. तिलकनगर थाना क्षेत्र में मोबाइल टावर से नेटवर्क संचालन के लिए उपयोग होने वाला अहम तकनीकी उपकरण चोरी होने का मामला सामने आया है. पुलिस ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

थाना प्रभारी मनीष लोधा ने बताया कि श्रीजी वैली में रहने वाले 46 वर्षीय बिजू मेथु ने बताया कि वह इन्डस टॉवर लिमिटेड में टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत है. उसे परिचारिका नगर स्थित मोबाइल टावर साइट बंद होने की सूचना मिली. उन्होंने इसकी जानकारी अपने एरिया मैनेजर और क्लस्टर मैनेजर को दी और उनके निर्देश पर साइट की जांच करने पहुंचे. मौके पर पहुंचकर देखा तो वहां वीआईएल कंपनी का बीटीएस बेसबैंड कार्ड और उससे जुड़ी अन्य तकनीकी सामग्री गायब थी. चोरी हुए उपकरण का सीरियल नंबर सीडी 35296513 (बेसबैंड-5216) बताया गया है. बताया जा रहा है कि बीटीएस बेसबैंड ट्रांससर्वर स्टेशन बेसबैंड कार्ड मोबाइल टावर का महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होता है, जो टावर से मोबाइल नेटवर्क सिग्नलों के प्रसारण और नियंत्रण का काम करता है.

पार्किंग में आग से तीन प्राइवेट बसें जलकर हो गई राख

इंदौर. भंवरकुआं थाना क्षेत्र अंतर्गत तीन इमली स्थित प्राइवेट बस पार्किंग में शनिवार देर रात अचानक आग लगने से हडकंप मच गया. आग की चपेट में आकर पार्किंग में खड़ी तीन प्राइवेट बसें जलकर खाक हो गईं.

फायर ब्रिगेड के एसआई संतोष दुबे ने बताया कि रात में बस पार्किंग में आग लगने की सूचना मिलने पर तत्काल दमकल टीम मौके पर पहुंची. आग तेजी से फैलने के कारण पास-पास खड़ी श्रीनाथ बस, निधि बस और देवा बस भी इसकी चपेट में आ गईं. आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां और तीन-चार टैंकर मौके पर लगाए गए. करीब 30 हजार लीटर पानी की मदद से लगभग आधे घंटे में आग पर काबू पाया जा सका. दुबे ने बताया कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है, हालांकि तीनों बसें पूरी तरह जल गईं. आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है. इधर, घटना की जानकारी मिलते ही भंवरकुआं पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी. सहायक पुलिस आयुक्त जूनी इंदौर विजय चौधरी ने बताया कि आग लगने के कारणों की जा रही है.

एक नजर में — नगर निगम मुख्यालय और झोन कार्यालय के चक्कर काट रहे पात्र हितग्राही, नहीं सुनी जा रही फरियाद

लंबे समय से नहीं मिल रही कई हितग्राहियों को वृद्ध और विधवा पेंशन

- नगर निगम मुख्यालय और झोन कार्यालय के चक्कर काट रहे पात्र हितग्राही

इंदौर. केंद्र और राज्य सरकार द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, स्वनिधि, मुद्रा, वृद्ध एवं विधवा पेंशन योजनाएं संचालित की जा रही हैं. इसके तहत पात्र हितग्राहियों को लाभ पहुंचाया जा रहा है, हालांकि, कुछ क्षेत्रों में प्रक्रियात्मक देरी और प्रशासनिक चुनौतियों के कारण पात्र लोगों को समय पर मदद न मिलने की शिकायतें सामने आ रही हैं. इससे संबंधित हितग्राही परेशान हो रहे हैं.

ऐसा ही मामला महू नाका क्षेत्र के वार्ड 67 स्थित बल्दा कॉलोनी में सामने आया है, जहां वृद्ध एवं विधवा पेंशन योजना का लाभ कई लोगों को लंबे समय से नहीं मिल पा रहा है. क्षेत्र में अधिकांश लोग मजदूर और निम्न आय वर्ग वाले निवासरत हैं. यहां रहने वाली महिलाओं और बुजुर्गों से बातचीत करने पर पता चला कि किसी की पेंशन पिछले आठ महीनों से बंद है, तो किसी की पेंशन को बंद हुए करीब दस साल हो चुके हैं, वहीं कुछ हितग्राहियों का कहना है कि उन्हें आज तक पेंशन योजना का लाभ ही नहीं मिल पाया. हालांकि पेंशन की राशि ज्यादा नहीं है, फिर भी हितग्राहियों को करीब 600 रुपये प्रतिमाह मिलते थे, जो कि गरीब परिवारों के लिए यह राशि भी काफी अहम मानी जाती है. इन पैसों से वे अपनी छोटी-मोटी जरूरतें पूरी कर लेते थे. पेंशन बंद होने से कई लोगों में नाराजगी और निराशा का माहौल है. क्षेत्र के हितग्राही चाहते हैं कि शासन-प्रशासन इस समस्या पर ध्यान देते हुए जल्द से जल्द पेंशन योजना को सुचारू रूप से चालू कराए, ताकि जरूरतमंदों को इसका लाभ मिल सके.

यह बोले हितग्राही...

बस दो बार पैसे मिले, उसके बाद करीब 10 साल हो गए, पेंशन बंद हो चुकी है. झोन भी गए थे, वहां से बोला गया कि ऊपर से ही बंद कर दी गई है. - शशिकला बाई

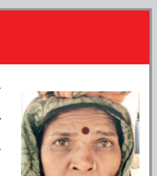

आठ महीने से मेरी पेंशन बंद है, जब झोन पर जाकर बात की तो उन्होंने फॉर्म भरवाकर कहां कि फार्म ऊपर पहुंचाएंगे, पेंशन चालू हो जाएगी, लेकिन आज तक पेंशन चालू नहीं हुई. - त्रिवेणी बाई

पति को गुजरे बारह वर्ष हो चुके हैं, उस समय सहायता की राशि भी नहीं दी, विधवा पेंशन भी चालू नहीं की गई. कई बार फॉर्म जमा किए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती. -अनीता बाई